एलयू में फर्स्ट ईयर के स्टूडेंट्स को अब नहीं भरना होगा परीक्षा फॉर्म

डाटा सेंटर, फीडबैक और ग्रिवांस के तीन पोर्टल लॉन्च, प्रथम वर्ष वालों के लिए पोर्टल पर लॉगइन जरूरी

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ।

लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में मंगलवार को डाटा रिसोर्स सेंटर, फीडबैक और ग्रिवांस पोर्टल का उद्घाटन हुआ। इसका पहला फायदा स्नातक और परास्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को मिलेगा। अब उन्हें परीक्षा फॉर्म भरने और जमा करने के झंझट से मुक्ति मिल जाएगी। इसके लिए फर्स्ट ईयर के सभी विद्यार्थियों को विधि के डाटा रिसोर्स सेंटर पर अनिवार्य रूप से लॉगइन करना होगा। इसके लिए उन्हें जनवरी के पहले सप्ताह तक का समय दिया गया है।

विधि के कुलपति प्रो. एलपी सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय यह व्यवस्था प्रथम वर्ष के लगभग हजार विद्यार्थियों के लिए की है। अगले सत्रों में सभी विद्यार्थियों को यह सुविधा दी जाएगी। छात्र डाटा सेंटर के पोर्टल पर अपनी सूचनाएं निर्धारित समय तक बदल भी सकते हैं। इसके बाद उनका रिकॉर्ड अपडेट कर दिया जाएगा। डाटा रिसोर्स सेंटर के निदेशक प्रो. अनिल सिंह ने बताया कि विधि की वेबसाइट पर डाटा सेंटर का लिंक होगा। इसपर जाकर विद्यार्थियों को लॉग इन करना होगा। इसके लिए उन्हें लॉगइन के समय मिले एडमिशन नंबर का उपयोग करना होगा। लॉगइन के समय दिये गए मोबाइल पर वन टाइम पासवर्ड (ओटीपी) आएगा। अगर उनका मोबाइल नंबर बदल गया है तो दूसरा मोबाइल नंबर भी अपडेट किया जा सकेगा। इस पासवर्ड को सत्यापन से विद्यार्थी अपनी बेसिक डिटेल से किसी प्रकार की गड़बड़ी को भी दुरुस्त कर सकेंगे। इसके लिए विद्यार्थी को जन्म तिथि और ईमेल आईडी का भी उपयोग करना होगा। पूरा फॉर्म भरने के बाद विद्यार्थी परीक्षा फॉर्म पर क्लिक कर देख और उसका फॉर्म भरा हुआ मान लिया जाएगा। डाटा सेंटर से परीक्षा नियंत्रक को इसका ब्योरा दे दिया जाएगा।

लखनऊ: विधि में पोर्टल लॉन्च करते कुलपति प्रो. एलपी सिंह व अन्य। अमर उजाला

ब्योरा अपडेट कराने के लिए देना होगा प्रिंट आउट

प्रो. अनिल सिंह ने बताया कि डाटा सेंटर पर स्टूडेंट अपना ब्योरा देने हुए लॉगइन कर सकेंगे। इसके बाद डाटा सेंटर फ्रंटली इसका ऑनलाइन सत्यापन करेगा। इसके बाद यह ब्योरा रिकॉर्ड में दर्ज हो जाएगा। कक्षाओं के लिए विद्यार्थी को इसका प्रिंट आउट डाटा सेंटर को देना होगा। डाटा सेंटर इसके बाद सत्यापन हुआ ब्योरा रिकॉर्ड में दर्ज करेगा।

डिग्री और माइग्रेशन ऑनलाइन देने की तैयारी

कुलपति ने बताया कि यह व्यवस्था लागू होने के बाद डिग्री और माइग्रेशन भी ऑनलाइन मिल जाएगी। स्टूडेंट विधि की वेबसाइट पर जाकर इन कामों की फीस जमा कर सकेंगे। डिग्री या माइग्रेशन निर्धारित समय में दे दी जाएगी। डाटा रिसोर्स सेंटर में कॉलेज का डाटा भी जल्द शामिल किया जाएगा।

तीन भाग में होगा डाटा रिसोर्स सेंटर पोर्टल

डाटा रिसोर्स सेंटर पोर्टल तीन भाग में होगा। पहला भाग विधि के विद्यार्थियों, दूसरा एडमिनिस्ट्रेशन और तीसरा फैकल्टी के लिए होगा। विधि एडमिनिस्ट्रेटर के पास लॉगइन का अधिकार होगा। वे किसी भी विद्यार्थी का ब्योरा देख सकेंगे। इस पर विद्यार्थी की उपस्थिति और उनके खिलाफ हुई अनुशासनात्मक कार्रवाई का भी पूरा ब्योरा होगा। इस रिकॉर्ड में स्टूडेंट के पिता का नाम, फोन और मोबाइल नंबर भी दर्ज होगा। विद्यार्थी यहां के आवंटन पत्र, फीस रसीद की डुप्लीकेट कॉपी भी प्राप्त कर सकेंगे। सभी पोर्टल का तीसरा भाग अगले महीने तक खुल होने की उम्मीद है। इस पर शिक्षक अपना ब्योरा और उपस्थिति आदि अपडेट कर सकेंगे।

फीडबैक देने वाले छात्र का देखा जाएगा रिकॉर्ड

फीडबैक पोर्टल पर विद्यार्थी शिक्षण के साथ ही पाठ्यक्रम, मानीटर का फीडबैक भी दे सकेंगे। इसके आधार पर शिक्षक और शिक्षण का भी आकलन होगा। हालांकि फीडबैक देने वाले विद्यार्थी का रिकॉर्ड भी देखा जाएगा। यह सफल में निर्धारित है या नहीं। इसके खिलाफ कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई तो नहीं हुई है आदि। कुलपति ने बताया कि इसके लिए सभी शिक्षकों को मासिक आधार पर विद्यार्थी की उपस्थिति पोर्टल पर अपडेट करने के लिए कहा जाएगा। इसके आधार पर विधि प्रशासन सबसे अच्छे और खराब विभागों को पत्र लिख सकेगा। अधिक विद्यार्थी की रिपोर्ट खराब होने पर उन्हें अपने सुधार करने के लिए कहा जाएगा।

हॉस्टल आवंटन भी ऑनलाइन

विधि में इस साल सबसे ज्यादा हॉस्टल आवंटन की तैयारी हुआ है। अगले साल से हॉस्टल आवंटन भी ऑनलाइन होगा। हॉस्टल के लिए आवेदन करने वाले स्टूडेंट्स की मेरिट के आधार पर ऑनलाइन आवंटन कर दिया जाएगा। इससे स्टूडेंट्स के साथ ही विधि की भी सहूलियत होगी।

शिकायत निवारण पर भी नजर

ऑनलाइन शिकायत निवारण पोर्टल की शुरुआत भी की गई। विद्यार्थी इस पर शिकायत दर्ज करा सकेंगे। जो संबंधित व्यक्ति या विभाग को भेज दी जाएगी। निवारण पर वरिष्ठ अधिकारियों की नजर होगी। इस पोर्टल की जिम्मेदारी निवारण किसी को नहीं दी गई है।